भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
07.12.2022 के
अतारांकित प्रश्न सं. 90 का उत्तर

किसान रेल मार्गों का नेटवर्क

90. डॉ. हिना विजयकुमार गावीत:
प्रो. रीता बहुगुणा जोशी:
डॉ. सुजय विखे पाटील:
श्री कृष्णपालसिंह यादव:
श्री उन्मेश भैय्यासाहेब पाटिल:
डॉ. श्रीकांत एकनाथ शिंदे:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) किसान रेल के कामकाज के लिए आज की तिथि तक किए गए कुल व्यय के तिमाही वितरण, ढुलाई किए गए खाद्य उत्पादों की मात्रा और मार्गों की लोकप्रियता की सूची के अवरोही क्रम का राज्य-वार ब्यौरा क्या है;
(ख) महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश को कवर करने के लिए किसान रेल मार्गों के वर्तमान नेटवर्क का विस्तार करने के संबंध में क्या कदम उठाए जा रहे हैं; और
(ग) सरकार द्वारा माल ढुलाई की प्रक्रिया में किसानों के 'क्रेट' की संभलाई के दौरान बिखराव और अपव्यय को कम करने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं?

उत्तर

रेल, संचार एवं इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ग): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

****

s.k

किसान रेल मार्गों का नेटवर्क के संबंध में दिनांक 07.12.2022 को लोक सभा में डॉ. हिना विजयकुमार गावीत, प्रो. रीता बहुगुणा जोशी, डॉ. सुजय विखे पाटील, श्री कृष्णपालसिंह यादव, श्री उन्मेश भैय्यासाहेब पाटिल और डॉ. श्रीकांत एकनाथ शिंदे के अतारांकित प्रश्न सं. 90 के भाग (क) से (ग) के उत्तर से संबंधित विवरण।

(क) और (ख): किसान रेल गाड़ियों सहित किसी भी प्रकार की गाड़ी सेवा के परिचालन के संबंध में व्यय के आंकड़े नहीं रखे जाते हैं। बहरहाल, 7 अगस्त, 2020 को किसान रेल सेवा की शुरूआत से और 30 नवंबर, 2022 तक तक लगभग 2,359 सेवाएं परिचालित की गई, 167 मार्गों पर प्रेषण के लगभग 7.9 लाख टन माल का पारवहन किया गया है। किसान रेल सेवाओं के लिए प्रमुख लदान स्टेशन देवलाली, संगोला, सावदा, रावेर, नागरसोल, येवला, दहानु रोड, लिंगमपेट जगितयाल, फरूक्काबाद, इंदौर, खैरवाड़ी, लसलगांव, निफाड, नुजविड, विजयनगरम आदि है और उतराई के प्रमुख स्टेशन अगरतला, आदर्शनगर (दिल्ली), चंगसारी, चितपुर, फतुहा, मालदा टाऊन, गौर मालदा, न्यू जलपाईगुड़ी, न्यू गुवाहाटी, मुजफ्फरपुर, जोरहाट और शालीमार, आदि है।

किसान रेल सेवाओं के आवागमन हेतु संभावित सर्किटों की राज्य सरकारों के कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्रालय/पशु पालन/मत्स्य पालन विभागों के साथ-साथ स्थानीय निकायों और एजेंसियों, मंडियों आदि के परामर्श और मांग के आधार पर किसान रेल सेवाओं के चालन के लिए प्राथमिकता पर रैक उपलब्ध कराए जाते हैं। किसान रेल सेवाएं आंध्र प्रदेश, असम, बिहार, दिल्ली, गुजरात, कर्नाटक, मध्य प्रदेश महाराष्ट्र, नागालैंड, पंजाब, राजस्थान, तेलंगाना, त्रिपुरा, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल और संघ शासित प्रदेश जम्मू एवं कश्मीर में परिचालन में है।

s.k

(ग): किसान रेल गाड़ियों को उन स्टेशनों पर ठहराव उपलब्ध कराए जाते हैं जहां निर्बाध एवं कुशलतापूर्वक लदान/उतराई किया जा सके ताकि मल्टीपल संभलाई से बचा जा सके और पण्यों को न्यूनतम क्षति हो। इसी प्रकार, पारवहन के दौरान पार्श्विक संचलन से बचने और नश्यवान पण्यों को क्षति से बचाने के लिए आवश्यकतानुसार उचित रूप से चट्टे लगाए जाते हैं और सुरक्षित ढंग से बांधा जा सकता है।

****

s.k